

SUMMARU TRIAL UNDER SECTION 263 THE CRIMINAL PROCEDURE CODE 1998
IN THE COURT OF A.K. Gupta, JMFC Gohad Dist Bhind (M.P.)

Case No. Sum/131/17

Complaint or report madeon

Name and address of the Complainant.....

आ. अ. एन्डोर्स

Name , parentage, caste and address of accused

सिवाशम सो मातादीन जाटव डमडम जन
जयपुर जेल का घर लोहरी

The offence, complainant of, and date of, its alleged commission

आप पर आरोप है कि दिनांक 23-5-17 मुकाम
राजपुर जेल के पास पर बिना वैध अनुज्ञप्ति के अपने
आधिपत्य में लीटर/पाव/बेत्तल 3.5 शराब विक्रय/परिवहन हेतु रखी।

ऐसा करके आपने आबकारी अधि० 1915 की धारा 34-1 (क) के अधीन दण्डनीय
अपराध कारित किया।

क्या आपको उक्त अपराध स्वीकार है या प्रतिरक्षा चाहते हो।

The plea of the accused and his examination (if any)

अपराध स्वीकार है। न्यून दण्ड से दण्डित करने का निवेदन है।

हस्ता.

पंकज शर्मा

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
गोहद, जिला-भिण्ड (म.प्र.)

सिवाशम

हस्ता.

पंकज शर्मा

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
गोहद, जिला-भिण्ड (म.प्र.)

The offence proved. If any and in case under clause(d) clause(f) clause(g) of section 260 the value of the property in respect of which the offence has been committed.

// निर्णय //

(आज दिनांक 1.8.12 को घोषित)

01. अभियुक्त के विरुद्ध आबकारी अधि० 1915 की धारा 34-1 (क) के अधीन दण्डनीय अपराध का अभियोग है। संक्षिप्त विचारणीय होने से समरी सीट पर अपराध विवरण पढ़कर सुनाये एवं समझाये जाने पर अभियुक्त ने स्वेच्छापूर्वक जुर्म/अपराध स्वीकार करना व्यक्त किया।
02. संक्षिप्त विचारण किया गया। अतः अभियुक्त की स्वेच्छापूर्वक स्वीकारोक्ति के आधार पर आबकारी अधि० 1915 की धारा 34-1 (क) के तहत आरोपी को दोषी ठहराया जाता है। उसकी पूर्व दोषसिद्धि के संबंध में अभिलेख पर कोई तथ्य मौजूद नहीं हैं।
03. अभियुक्त को आबकारी अधि० 1915 की धारा 34-1 (क) के तहत न्यायाल उठने तक की अवधि तक की सजा एवं रुपये ~~२५००~~ शब्दों में ~~दो हजार पचास~~ रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है। अर्थदण्ड न पटाये जाने पर का साधारण कारावास की सजा भुगतायी जावे।
04. जप्तशुदा सम्पत्ति लीटर/प्राव/बोतल ~~35~~ शराब मूल्यहीन एवं मानव उपयोग हेतु हानिकारक होने के कारण अपील अवधि पश्चात् नियमानुसार नष्टकर व्ययनित की जावे। अपील होने की दशा में मान० अपील न्यायालय के आदेश का पालन किया जावे।

मेरे निर्देशन पर टंकित
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
गोहद, जिला-मिण्ड (म.प्र.)